देश में साइबर क्राइम इन्वेस्टगिशन में भोपाल को दूसरा स्थान

चर्चा में क्यों?

हाल ही में साइबर अपराध की क्रप्टिो करेंसी संबंधी धोखाधडी की बेहतर और पुख्ता इन्वेस्टगिशन के लयि भोपाल साइबर पुलसि को देश में दूसरा स्थान प्रदान कयिा गया।

प्रमुख बदिु

- राष्ट्रीय अपराध अभलिख ब्यूरो (एनसीआरबी) नई दलि्ली में गत दवािस कयिे गए प्रेजेंटेशन में साइबर क्राइम भोपाल की इन्वेस्टगिशन संबंधी केस-स्टडी को सर्वश्रेष्ठ 10 केस-स्टडी में चुना गया।
- साइबर पुलसि ने अपने प्रेजेंटेशन में दखािया कि इन्वेस्टगिशन के दौरान कसि प्रकार से जापान के क्लाइंट के लयि इंदौर के पीयूष सहि की कंपनी ने मुख्यत: तीन प्रोडक्ट्स बनाए। इन प्रोडक्ट्स का उपयोग कर कोई भी उपयोगकर्त्ता **(EndUser)** अपना डजिटिल वालेट (अकाउंट) बना सकता है।
- इस डजिटिल वालेट में वह क्रप्टिो संपत्तसि्टोर कर सकता है और उन्हें नविेश कर सकता है। क्रप्टिोएसेट्स को ट्रांसफर भी कर सकता है तथा उपयोगकर्त्ता को रविॉर्ड और बोनस मलिता है, जो हर दनि कंपनी के डजिटिल अकाउंट में क्रेडटि होता है।
- इन्वेस्टगिशन में पाया गया कि जापानी मूल का केशी कुबी, जो कि पीयूष सहि की कंपनी में ही पूर्व से कार्य करता था, गोपनीय जानकारयिों का गलत उपयोग कर पीयूष सहि के जापानी क्लाइंट के प्रोडक्ट में फर्ज़ी यूज़र बना दयिे और उनमें एपीआई के द्वारा क्रप्टिो का फर्ज़ी इन्वेस्टमेंट दखािया। इससे आरोपी को भी प्रतदिनि रविॉर्ड मलिने लगे।
- आरोपी **anglieum wallet** के एक फीचर ote (जसिमें कंपनी यूज़र से **ANX** लेकर उसी वैल्यू का **BTC** कंपनी वालेट से यूज़र को देती थी) का यूज़ कर क्रप्टिोकरेंसी **ANX** को **BTC** में कनवर्ट करता तथा **BTC (BITCOIN)** को अपने और अपने परजिनों के क्रप्टिो वालेट में ट्रांसफर कर धोखाधड़ी करने का कार्य करता रहा। साइबर पुलसि ने अपने इन्वेस्टगिशन में फर्ज़ी पते को भी डकिोड कर अपराध का पर्दाफाश कयिा।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/bhopal-ranks-second-in-cyber-crime-investigation-in-the-country